ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–54
दिनांक– मंगलवार, 15 जुलाई, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.9 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.7 एवं दोपहर में 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मैसम 59.4 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–20 जुलाई, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16–20 जुलाई, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 24 से 48 घंटो तक उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की–हल्की वर्षा होने की सम्भावना है, इसके बाद वर्षा होने की सम्भावना में कमी आएगी।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधी में उतर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में वर्षा जल का संग्रह करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें तथा धान की रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। मध्यम अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय–१३, राजेन्द्र अरहर–१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अर्का श्वेता, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काशी सुर्ख, काशी अगेती, काशी तेज अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिषत दवा से बीजोपचार करें।
- सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।
- फलदार पौधो का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के स्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी कर सकते हैं। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम सड़ी गोबर का प्रयोग अवश्य करें। जब वर्षा हो रही हो तो रोपनी नहीं करें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी